मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MSK–023

संस्कृत साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. एस. के. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एस.के.-023 : संस्कृत में रसायन, धातु, चिकित्सा एवं वनस्पति विज्ञान का प्रायोगिक स्वरूप

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* ***दो*** *खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी उत्तरों का माध्यम संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी एक ही भाषा हो।*

खण्ड —क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

$3 \times 20 = 60$

1. आधुनिक प्रयोगशाला के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसमें प्रयुक्त होने वाले उपकरण एवं यन्त्र का वर्णन कीजिए।
2. संस्कृत साहित्य में वर्णित प्रसाधन सामग्री का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
3. वैदिक युग एवं चरक युग में वर्णित रसायन की परम्परा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
4. प्रकाश संश्लेषण का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
5. कोष्ठक यन्त्र से आप क्या समझते हैं ? विस्तारपर्वूक वर्णन कीजिए।
6. सुश्रुत संहिता एवं अष्टाङ्ग हृदय में वर्णित चिकित्सकीय तत्वों पर प्रकाश डालिए।

खण्ड —ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। $4 \times 10 = 40$

7. भारतीय वाड्मय में वनस्पति चेतना से सम्बन्धित प्रमाण का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

8. औषधीय पौधों से प्राप्त रसायन एवं इसके प्रयोग पर निबन्ध लिखिए।

9. 'त्रिदोष' का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

10. मानव श्वसन तन्त्र के अवयव का वर्णन कीजिए।

11. आयुर्वेद के विभिन्न ग्रन्थों के आधार पर हृदय के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

12. अनिद्रा से आप क्या समझते हैं ? अनिद्रा के कारण व निदान का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

13. 'विसरण' का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

× × × × ×